रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

भारतीय संस्कृति के कण–कण में बसा है विज्ञान–कुलपति प्रो. मिश्र
रादुविवि विज्ञान भवन में 'आजादी के अमृत महोत्सव पर ''विज्ञान सर्वत्र पूज्यते'' साइंस वीक फेस्टिवल' आयोजन समिति की बैठक का आयोजन

जबलपुर 18 फरवरी। भारतीय संस्कृति के कण–कण में विज्ञान बसा है। हमारी प्रत्येक प्राचीन परम्परा के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक तत्व निहित है। वर्तममान षताब्दी विज्ञान की है, तो बातें भी विज्ञान सम्मत होनी चाहिए। विज्ञान के इसी महत्व को जन–जन तक पहुंचाने के लिए भारत सरकार प्रसासरत है। भारत सरकार आज़ादी के 75 वर्षों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए पूरे वर्ष आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रही है। इसी कड़ी में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए 22 फ़रवरी से 28 फ़रवरी तक 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' समारोह मनाने की योजना बनाई गई है। इस आयोजन का लाभ अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचे यही हमारा संकल्प है। ये बातें माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शुक्रवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, विज्ञान भवन में आयोजित आयोजन समिति की बैठक के दौरान व्यक्त कीं।

आयोजन समिति समन्वयक एवं विवि संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बैठक में बताया कि ''विज्ञान सर्वत्र पूज्यते'' आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार, विज्ञान प्रसार भारत सरकार एवं विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22 फरवरी से 28 फरवरी तक विज्ञान सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया है। जो देश में 75 स्थानों में एक साथ आयोजित किया जाएगा और सभी कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण दूरदर्शन एवं अन्य माध्यमों से भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। मध्यप्रदेश में जबलपुर, इंदौर एवं भोपाल को चयनित किया गया है। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के तत्वाधान में यह सप्ताह आयोजित किया जाएगा। बड़े ही गौरव का विषय है की रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर को आयोजन का स्थानीय संयोजक नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम का उद्घाटन वर्चुअल माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा एवं समापन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

22 फरवरी से होगा शुभारंभ–

बैठक में एम.पी.सी.एस.टी से डॉ एन.के. शिवहरे, डॉ पी. के दिघर्रा, डॉ निपुन सिलावट ने कहा कि 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' 75 वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों का जश्न मना कर युवाओं को प्रेरित करने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। डॉ. पाराशर ने बताया कि विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' के तहत स्कोप फ़ॉर ऑल फेस्टिवल का भी आयोजन किया जायेगा, जिसके तहत निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, कविता लेखन, पोस्टर, लघु–फ़िल्म और ऑनलाइन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्विज़ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता चलाई जा रही है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के साथ मिलकर सप्ताह भर चलने वाला यह कार्यक्रम भारत की वैज्ञानिक विरासत, प्रौद्योगिकी कौशल को प्रदर्शित करने के साथ ही रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, कृषि, खगोल विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में अभिनव समाधान खोजने की दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा। आयोजन की शुरूआत 22 फरवरी से रादुविवि के पं. कुजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजन के

उद्घाटन के साथ होगी। बैठक में सभी समिति सदस्यों ने आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किये। संचालन डॉ. अजय मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मीनल दुबे ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय से कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह, सहसमन्वयक प्रो. सुनीता शर्मा, एम.पी.सी.एस.टी से डॉ एन.के. शिवहरे, डॉ पी. के दिघर्रा, डॉ निपुन सिलावट, प्रो. सुनीता शर्मा, कला संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. एसएन बागची, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. अशोक कुमार मराठे, डॉ. देवांशु गौतम, डॉ अजय मिश्रा, डॉ. एस पी त्रिपाठी, डॉ नीलेश शर्मा, डॉ. त्रिपाठी, श्री यादव सहित विभिन्न स्कुलों एवं कॉलेजों से आये हुए प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय राजशेखर समारोह 29 से 31 मार्च तक

षष्ठ दिवसीय अखिल भारतीय राजशेखर समारोह एवं शोध संगोष्ठी के आयोजन संबंधी बैठक संस्कृत,पालि एवं प्राकृत विभाग रा.दु.वि.वि. के विभागाध्यक्ष कक्ष में प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र, आचार्य एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें रादुविवि के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के संरक्षकत्व में दिनांक 29, 30 एवं 31 मार्च 2022 को प्रतिवर्षानुसार समारोह–आयोजन कराने का निर्णय लिया गया। प्रतिवर्षानुसार अखिल भारतीय राजशेखर समारोह एवं शोधसंगोष्ठी का आयोजन म.प्र. संस्कृति परिषद कालिदास अकादमी उज्जैन एवं संस्कृत,पालि एवं प्राकृत विभाग रा.दु.वि.वि. जबलपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया जायेगा । इस षष्ठ दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में पूर्वरंग के रूप में 21, 22 एवं 23 मार्च 2022 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा जो नगर के विभिन्न महाविद्यालयों में सम्पन्न होंगी। षष्ठ दिवसीय कार्यक्रम के संयोजक प्रो, राधिका प्रसाद मिश्र आचार्य एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग होंगे। बैठक में शोध संगोष्ठी का विषय 'राजशेखर साहित्य में पात्र चित्रण' निश्चित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत भातखण्डे संगीत महाविद्यालय द्वारा कत्थक नृत्य की मनोरम प्रस्तुति की जावेगी। बैठक में प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र, आचार्य एवं अध्यक्ष, डॉ. साधना जनसारी, डॉ. अखिलेश मिश्र, डॉ. सरिता यादव, डॉ. जया शुक्ला उपस्थित रहे।